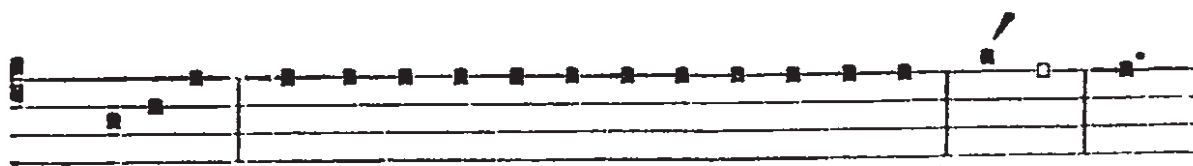


PSALMUS 110. *Confitebor.* Tonus 8.



- | | | |
|-----|--|----------------|
| 4. | Memóriam fécit mirabílium suórum, †
miséricors et miserátor | Dó-mi- nus : * |
| 5. | Mémor érit in sáeculum testaménti | sú- i : * |
| 6. | Ut det illis hæreditátem | génti- um : * |
| 7. | Fidélia ómnia mandáta éjus : † confir-
máta in sáeculum | sá-cu- li : * |
| 8. | Redemptiónem mísit pópulo | sú- o : * |
| 9. | Sánctum et terríbile nómen | é- jus : * |
| 10. | Intelléctus bónus ómnibus faciéntibus | é- um : * |
| 11. | Glória Pátri, et | Fí- li- o, * |
| 12. | Sicut érat in principio, et nunc, et | sém- per, * |



- | | | |
|-----|--|--------------------|
| 4. | éscam dédit ti- | mén- ti- bus sc. |
| 5. | virtútem óperum suórum annuntiábit pó- | pu- lo sú- o : |
| 6. | ópera mánuum éjus véritas | et ju- dí- ci- um. |
| 7. | fácta in veritáte et | æ- qui- tá- te. |
| 8. | mandávit in ætérnum testa- | mén- tum sú- um. |
| 9. | ínitium sapiéntiæ | tí- mor Dómi- ni. |
| 10. | laudátio éjus mánet in sáe- | cu- lum sáecu- li. |
| 11. | et Spiri- | tu- i Sán- cto. |
| 12. | et in sáecula sáecu- | ló- rum. A- men. |